
Shri Nilakantha Stava

श्री-नीलकण्ठस्तवः

Document Information

Text title : Shri Nilakantha Stava 02 55

File name : nIlakaNThastavaH.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-55

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 3, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Nilakantha Stava

श्री-नीलकण्ठस्तवः



नमो भूतनाथं नमो देवदेवं

नमः कालकालं नमो दिव्यतेजः ।

नमः कालभस्मं नमः शान्तशीलं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ १ ॥

सदा तीर्थसिद्धं सदा भक्तरक्षं

सदा शैवपूज्यं सदा शुभ्रभस्मम् ।

सदा ध्यानयुक्तं सदा ज्ञानतल्पं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ २ ॥

श्मशाने शयानं मडास्थानवासं

शरीरं गजानां सदा यर्मवेष्टम् ।

पिशाचा(आदिनाथं)पशूनां प्रतिष्ठं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ३ ॥

कृष्णीनागकुण्डे(कण्ठ)भुजङ्गाघनेकं(ङ्गभूषं)

गले रुण्डमालं मडावीरशूरम् ।

कटिव्याघ्रयर्माञ्जिताभस्मलेपं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ४ ॥

शिरश्शुद्धगङ्गं शिवावामभागं

वियद्दीर्घकेशं सदा मां(सडोमं)त्रिनेत्रम् ।

कृष्णीनागकर्णं सदास्मालयन्त्रं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ५ ॥

करे शूलधारं मरा(मडा)कष्टनाशं

सुरेशं परेशं मडेशं जनेशम् ।

धने यारु षशं(धनेशस्यमित्रं)ध्वजेशं गिरीशं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ६ ॥

उदासं सुदासं सुकैलासवासं

धरानिर्जरे संस्थितं ळ्यादित्देवम् ।

अञ्जं डेमकल्पद्रुमं कल्पसेव्यं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ७ ॥

मुनीनां वरेण्यं गुणं रुपवर्णं (?)

द्विजा सम्पठन्तं (द्विजैः स्तूयमानं)शिवं वेदशास्त्रैः ।

अढो दीनवत्सं कृपालुं शिवं छि(तं)

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ८ ॥

सदा भावनाथं सदा सेव्यमानं

सदा भक्तिदेवं सदा पूज्यमानम् ।

महातीर्थवासं सदा सेव्यमेकं

भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ९ ॥

॥ ःति श्री-नीलकण्ठस्तवः सम्पूर्णाः ॥

Proofread by Aruna Narayanan

—
Shri Nilakantha Stava

pdf was typeset on February 3, 2023

—
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

